अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : चतुर्थ – जैन धर्म मध्यमा (परीक्षा 24 जुलाई, 2016)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) 'वणकम्मे' कौनसा कर्मादान है -

(क) पहला (ख) तीसरा

(ग) दूसरा (घ) आठवाँ ( )

(b) भगवान शान्तिनाथ के श्रावकों की संख्या थीं-

(क) 62000 (ख) 290000

(ग) 393000 (घ) 36 ( )

(c) भगवान शान्तिनाथ ने प्रथम पारणा किया -

(क) खीर से (ख) दूध से

(ग) इक्षुरस से (घ) सब्जी से ( )

(d) बर्फादि मिलाकर ठण्डा किए आमरस में सचित्त रहने की संभावना है -

(क) एक घड़ी पूर्व तक (ख) एक मुहूर्त्त तक

(ग) 24 घंटे तक (घ) दो घंटे तक ( )

(e) मोहनीय कर्म की उत्तर प्रकृतियाँ हैं -

(क) 10 (ख) 28

(ग) 103 (घ) 9 ( )

(f) अचल अटल रूप है -

(क) अरिहंत का (ख) सिद्ध का

(ग) आचार्य का (घ) उपाध्याय का ( )

(g) अप्रदेशी द्रव्य है -

(क) धर्मास्तिकाय (ख) अधर्मास्तिकाय

(ग) काल (घ) जीवास्तिकाय ( )

(h) संक्षिप्त प्रतिक्रमण का पाठ है-

(क) इच्छामि णं भंते (ख) इच्छामि ठामि

(ग) आगमे तिविहे (घ) दर्शन सम्यक्त्व ( )

(i) उत्कृष्ट केवली होते हैं-

(क) दो हजार क्रोड (ख) नो हजार क्रोड

(ग) दो क्रोड (घ) नव क्रोड ( )

(j) इन्द्रियों के आधार पर जीवों के बनाये गये समूह को कहते हैं -

(क) जाति (ख) काय

(ग) शरीर (घ) प्राण ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) अधिक हिंसा वाले धन्धों से आजीविका चलाना अधिकरण है। ( )

(b) उपाध्याय ग्यारह अंग का पाठ अर्थ सहित सम्पूर्ण जानते हैं। ( )

(c) 14 नियम ग्रहण करने का पाठ दसवाँ व्रत है। ( )

(d) पौषध व्रत की साधना से आत्मिक गुणों की पुष्टि एवं आत्मशक्ति का विकास होता है। ( )

(e) परीक्षा एवं प्रतिकूलता की घड़ियों में भी अपनी प्रतिज्ञा को दृढ़ता से पूर्ण करना चाहिए। ( )

(f) सूक्ष्म वनस्पति के जीव सम्पूर्ण लोक के असंख्यातवें भाग में रहते हैं। ( )

(g) पान, सुपारी आदि का समावेश विलेपन में होता है। ( )

(h) अचक्षुदर्शन उपयोग की प्रवृत्ति बाटे बहते जीव में नहीं होती है। ( )

(i) तिर्यंच गति में सबसे कम भय संज्ञा वाले हैं। ( )

(j) आगम रूप ज्ञान तीन प्रकार का कहा गया है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं न्याय पक्षी, भद्रिक परिणामी हूँ। .....

(b) मैं अठारह दोष से रहित हूँ। .....

(c) मैं सम्यक्त्व को ग्रहण करने का पाठ हूँ। .....

(d) मैंनें मेघरथ के भव में कबूतर की रक्षा कर दया का आदर्श उपस्थित किया। .....

(e) मेरी रानी का नाम प्रियमति था। .....

(f) सोना, चाँदी, रत्न आदि मेरे भेद हैं। .....

(g) मुझे नियमित रूप से प्रतिदिन ग्रहण करने से समुद्र जितना पाप घटकर बूंद के बराबर रह जाता है। .....

(h) मैं बिना उपयोग धुन ही धुन में किसी कार्य को करने की प्रवृत्ति हूँ। .....

(i) मेरी जघन्य स्थिति 12 मूहूर्त्त है। .....

(j) विसंवादयोग सहितता मेरे बन्ध का कारण है। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए **14x2 = (28)**

(a) इस जग ..... हुआ निवास । रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।

.....

.....

(b) काल अनन्त ..... जगत् का दास । रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।

.....

.....

(c) **गर्म पानी के अचित्त रहने की मर्यादा लिखिए।**

.....

.....

(d) **नवकारसी का पच्चक्खाण का पाठ लिखिए।**

.....

.....

(e) **संवर और दया के पच्चक्खाण के पाठ में क्या अन्तर है?**

.....

.....

(f) **चौदह प्रकार के आभ्यन्तर परिग्रह कौन-कौनसे हैं?**

.....

.....

(g) **दर्शनावरणीय कर्म की उत्तरप्रकृतियों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(h) **स्थावर दशक की 10 प्रकृतियों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(i) **बेइन्द्रिय जीव कितने उपयोग लेकर आते व निकलते हैं?**

.....

.....

(j) **संलेखना किसे कहते है?**

.....

.....

(k) **दोय क्रोड ..... निश दीस। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(l) **प्रायश्चित्त का पाठ लिखिए।**

.....

.....

(m) **उपयोग किसे कहते हैं?**

.....

.....

(n) **लेश्या किसे कहते हैं?**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **क्षमापना का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(b) **तस्स धम्मस्स के पाठ का सारांश लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(c) **पाँचवें आवश्यक की विधि लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **सिद्ध भगवान के पन्द्रह भेदों का नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(e) **पाँचवें अणुव्रत का सारांश लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **भगवान शान्तिनाथ की कथा से उनके जन्म को लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **दस संज्ञा को उत्पन्न करने वाले कर्म लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **अशुभ नामकर्म के उदय के प्रकार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **अनन्तानुबंधी क्रोध, मान, माया, लोभ को उदाहरण सहित लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **निज को ..... बिठलाओ । रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **लिया तुम्हारा ..... विजय दिलाओ। रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(l) **इच्छामि णं भंते का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(m) **तीसरे स्थूल के पाँच अतिचार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(n) **ज्ञानावरणीय कर्म-बन्ध के कोई चार कारण लिखिए।**

.....

.....

.....

.....